No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-15

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

07346

जून, 2015

एम.एच.डी.-15 : हिन्दी उपन्यास–2

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं *दो* की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) यह सही है कि 'सत्य', 'अस्तित्व' आदि शब्दों के आते ही हमारा कथाकार 'चिल्ला उठता है,' सुनो भाइयो – यह किस्सा-कहानी रोक कर मैं थोड़ी देर के लिए तुमको फ़िलॉसफी पढ़ाता हूँ, ताकि तुम्हें यक़ीन हो जाय कि वास्तव में मैं फ़िलॉसफर था, पर बचपन के कुसंग के कारण यह उपन्यास (या कविता) लिख रहा हूँ । इसलिए हे भाइयो, लो, यह सोलह पेज़ी फ़िलॉसफी का लटका; और अगर मेरी किताब पढ़ते-पढ़ते तुम्हें भ्रम हो गया कि मुझे औरों जैसी फ़िलॉसफी नहीं आती, तो उस भ्रम को इस भ्रम से काट दो ।

(ख) जमुना निम्न मध्य-वर्ग की भयानक समस्या है । आर्थिक नींव खोखली है । उसकी वजह से विवाह, परिवार, प्रेम – सभी की नींवें हिल गई हैं । अनैतिकता छाई हुई है । पर सब उस ओर से आँखें मूँदे हैं । असल में पूरी ज़िन्दगी की व्यवस्था बदलनी होगी ।

(ग) "नजीबे, वाज़िब सवाल है । होता यह है कि छोटी-बड़ी हुकूमतें – सरकार अपने कारनामों – लड़ाइयों – फ़तेहयात्रियों को महफ़ूज़ रखने के पूरे इन्तज़ाम करती हैं । पूरा दफ़्तर रखती हैं । बाकी हमातड़ – साथों के लिए यही काम उनकी मिरास कर लेती है । जिस ख़ानदान का कारण ढंग – पज्ज हुआ, मिरास उनकी सात पीढ़ियों तक नाम दोहरा लेगी ! सिलसिला चलता रहता है ।"

(घ) "सदा ही ऐसा हुआ है । सन्त अपने जीवन में ग़रीबों के होते हैं । मृत्यु के बाद अमीर उन्हें छीन लेते हैं । भगवान बुद्ध भिक्षावृत्ति से जीवन बिताते थे । उनके निर्वाण के बाद राजा उनके प्रचारक और प्रतिनिधि बन गए । ईसा के साथ भी यही हुआ । वही इस सन्त के साथ हो रहा है । कल ये लोग ताजमहल की लागत का एक गाँधी-स्मारक बना देंगे और गाँधी जी के सिद्धांतों को उस महल की नींव में दबा देंगे ।"

2. 'राग दरबारी' में प्रयुक्त व्यंग्य शैली के औचित्य पर प्रकाश डालिए । *10*

3. 'माणिक मुल्ला' के आधार पर धर्मवीर भारती निम्न मध्य वर्ग के किन बिन्दुओं को रेखांकित करना चाहते हैं ? स्पष्ट कीजिए । *10*

4. शिल्प के आधार पर 'ज़िन्दगीनामा' का मूल्यांकन कीजिए । 10

5. गाँधी और गाँधीवाद के प्रति यशपाल की कटुता के स्वरूप को प्रमाण-सहित विवेचित कीजिए । 10

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

(क) 'राग दरबारी' में 'सनिचरा'

(ख) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' की कथावस्तु

(ग) 'ज़िन्दगीनामा' : जीवन-दृष्टि

(घ) 'झूठा सच' की भाषा